शिक्षा निदेशालय, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली
वार्षिक पाठ्यक्रम (2026-27)
कक्षा- 7, विषय- हिंदी

क्र. सं.	(मल्हार) पाठ का नाम, विधा, रचयिता	विषयवस्तु	व्याकरण और रचनात्मक लेखन	अधिगम उद्देश्य	पाठ्यचर्या लक्ष्य एवं दक्षताएँ	गतिविधि/क्रियाकलाप
1.	**माँ, कह एक कहानी** (कविता, मैथिलीशरण गुप्त)	प्रस्तुत कविता में पुत्र राहुल द्वारा अपनी माँ से कहानी सुनने के हठ और सिद्धार्थ (गौतम बुद्ध) के जीवन की करुणा एवं न्याय से जुड़ी घटना का मार्मिक वर्णन किया गया है।	• **कविता में विराम चिह्न-** कविता के अंश में उचित विराम चिह्नों का प्रयोग करना। • **शब्द से जुड़े शब्द -** विभिन्न शब्दों से जुड़े शब्दों की सूची बनाना। • **रूप बदलकर-** कविता के किसी एक पद को अनुच्छेद के रूप में लिखना। • **कविता की रचना:** संवादात्मक और वर्णनात्मक शैली की विशेषताओं को पहचानकर लिखना। • **पुनरावृति-** संज्ञा व भेद अभ्यास।	• कविता के भावानुकूल सस्वर वाचन में सक्षम होंगे। • कविता का सार अपने शब्दों में लिखने में समर्थ होंगे। • अहिंसा और जीव-दया के मूल्यों को समझ सकेंगे। • पाठांतर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिंदुओं से अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ हो सकेंगे। • पाठांतर्गत प्रयुक्त नए शब्दों से परिचित होते हुए उनका प्रयोग कर सकेंगे।	• **CG-1:** C-1.1, C-1.3 • **CG-2:** C-2.1, C-2.2 • **CG-3:** C-3.2 • **CG-4:** C-4.1 • **CG-5:** C-5.2	• **मेरी समझ से-** समूह चर्चा। • **मिलकर करें मिलान-** कविता में आए पात्रों का उनके लिए प्रयोग में आए शब्दों से मिलान। • **पंक्तियों पर चर्चा-** भावार्थ पर चर्चा। • **सोच-विचार के लिए-** कविता आधारित प्रश्नों पर चर्चा व लेखन। • **अनुमान और कल्पना से-**समूह चर्चा। • **संवाद-** कविता के पात्रों के संवादों का वर्गीकरण करना। • **पंक्ति से पंक्ति-**मिलती जुलती पंक्तियों से मिलान। • **आपकी बात-** समूह चर्चा। • **निर्णय करें-** तर्क प्रस्तुति • **सुनी कहानी-** लोककथा पठन • **आज की पहेली-** पहेली का उत्तर खोजना। • **खोजबीन के लिए-** QR कोड/लिंक से 'हंस किसका' कहानी की वीडियो देखना।

2.	**तीन बुद्धिमान** (लोककथा)	प्रस्तुत लोककथा तीव्र बुद्धि, सूक्ष्म दृष्टि और तर्कशक्ति के महत्त्व को प्रस्तुत करती है, जहाँ छोटे-छोटे संकेतों के आधार पर सत्य को समझने की क्षमता को उजागर किया गया है।	• **कारक-** वाक्यों में उचित स्थान पर कारक प्रयोग कर लिखना। • **वाक्यांश के लिए एक शब्द-** पाठ में आए वाक्यांशों के लिए एक शब्द छाँटकर लिखना। • **शब्द से जुड़े शब्द -** 'बुद्धि' शब्द के पर्याय और उससे संबंधित शब्दों की सूची बनाना। • **रचनात्मक लेखन:** अवलोकन और अनुभव के आधार पर 'सही निर्णय लेने के महत्त्व' पर अनुच्छेद लिखना। • **पुनरावृति-**श्रुतिसमभिन्नार्थक शब्द	• कहानी को ध्यानपूर्वक सुनकर उसके मुख्य बिंदुओं की पहचान और सारांश प्रस्तुत करने में समर्थ होंगे। • परिवेश के सूक्ष्म अवलोकन और साक्ष्यों के आधार पर तार्किक निष्कर्ष निकाल सकेंगे। • कठिन और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में अपनी तार्किक सोच का प्रयोग कर सकने में दक्ष हो सकेंगे। • ज्ञानेंद्रियों के अनुभव के आधार पर वस्तुओं को पहचानने का कौशल विकसित कर सकेंगे। • पाठांतर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिंदुओं से अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ हो सकेंगे। • पाठांतर्गत प्रयुक्त नए शब्दों से परिचित होते हुए उनका प्रयोग कर सकेंगे।	• **CG-1:** C-1.1, C-1.3 • **CG-2:** C-2.1, C-2.3 • **CG-3:** C-3.1 • **CG-5:** C-5.1, C-5.3	• **मेरी समझ से-** समूह चर्चा। • **पंक्तियों पर चर्चा-** अर्थ चर्चा व लेखन। • **मिलकर करें मिलान-** वाक्यों का अर्थ से मिलान। • **सोच विचार के लिए-** पाठ आधारित प्रश्नों के उत्तर लेखन। • **अनुमान और कल्पना से-** समूह चर्चा • **लोककथा को सुनाना-** वाचन के बिंदुओं को ध्यान में रख किसी लोककथा का वाचन करना। • **सूचना पत्र-** लोककथा की जानकारी व अपनी कल्पना के आधार पर सूचनापत्र लेखन। • **आपकी बात-** परिचर्चा। • **ध्यान से देखना,सुनना,अनुभव करना-** स्पर्श/गंध और स्वाद से पहचानना। • **आज की पहेली-** पहेली के उत्तर खोजना। • **खोजबीन के लिए-** लिंक से अन्य लोककथाएँ देखना/सुनना।
3.	**फूल और काँटा**	प्रस्तुत कविता परिवेश और स्वभाव के अंतर	• **शब्द से जुड़े शब्द-** समान भाव व विपरीत भाव वाले शब्दों का वर्गीकरण करेंगे।	• कविता का भावानुकूल सस्वर वाचन कर सकेंगे।	• **CG-1:**	• **मेरी समझ से-** समूह चर्चा। • **पंक्तियों पर चर्चा-** पंक्तियों के भाव पर समूह चर्चा करना।

	(कविता, अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध')	को स्पष्ट करती है। कविता इस नैतिक सत्य को रेखांकित करती है कि मनुष्य अपने कुल से नहीं, बल्कि सद्‌गुणों से योग्य बनता है।	• **बड़प्पन-** प्रत्यययुक्त शब्दों का निर्माण करेंगे। • **कविता का सौंदर्य:** पर्यायवाची शब्द। • **विशेषण-** विशेषण भेद और विशेष्य। • **सृजन-** फूल और काँटे की बातचीत को अपनी कल्पना से लिखेंगे। • **पुनरावृति-** विपरीतार्थक शब्दों का अभ्यास।	• कविता का सार अपने शब्दों में लिखने में समर्थ हो सकेंगे। • मानवीय स्वभाव की विविधताओं और सामाजिक व्यवहार का तुलनात्मक विश्लेषण कर सकेंगे। • पाठांतर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिंदुओं से अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ हो सकेंगे। • पाठांतर्गत प्रयुक्त नए शब्दों से परिचित होते हुए उनका प्रयोग कर सकेंगे।	C-1.1, C-1.3 • **CG-2:** C-2.1, C-2.2 • **CG-3:** C-3.2 • **CG-5:** C-5.1, C-5.2, C-5.3	• **मिलकर करें मिलान-** काव्य के प्रतीक व अर्थगत विशेषताओं का मिलान करना। • **सोच-विचार के लिए-** आधारित प्रश्नों पर चर्चा व लेखन। • **अनुमान और कल्पना-** समूह चर्चा करना। • **कविता की रचना-** कविता की विशेषताओं को लिखना। • **आपकी बात-** विषयवस्तु पर चर्चा • **सृजन-** कल्पनाधारित चित्र बनाना। • **वाद-विवाद-** 'फूल और काँटे' के महत्त्व पर वाद-विवाद करना। • **आज की पहेली-** पहेली का उत्तर खोजना। • **खोजबीन के लिए-** लिंक से अन्य कविताएँ देखना/सुनना।
4.	**पानी रे पानी** (निबंध,अनुपम मिश्र)	प्रस्तुत निबंध जल-संरक्षण और भूजल प्रबंधन की आवश्यकता पर प्रकाश डालता है। साथ ही वर्षा जल संचय के महत्त्व और जल-स्रोतों की उपेक्षा से उत्पन्न अकाल व बाढ़ की समस्या को	• **शब्दों की बात-** बात पर बल देना, निपात • **समानार्थी शब्द-** उचित समानार्थी शब्दों को चुनकर वाक्य पूर्ण करेंगे। • **उपसर्ग-** उपसर्गयुक्त शब्दों का निर्माण करेंगे। जैसे- अ→काल=अकाल। • **बात पर बल देना:** वाक्यों से 'ही' और 'भी' जैसे शब्दों को हटाकर अर्थ में आए बदलाव की पहचानकर वाक्य लिखेंगे। • **अनुच्छेद लेखन-** 'जल-संकट की भयावह स्थिति' विषय पर लेखन।	• जल-चक्र की प्रक्रिया व भूजल के महत्त्व को समझ सकेंगे। • जल-संरक्षण की पारंपरिक और आधुनिक विधियों के प्रति जागरूक हो सकेंगे। • जल-चक्र की वैज्ञानिक प्रक्रिया और भूजल प्रबंधन के महत्त्व को समझ सकेंगे। • पाठांतर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिंदुओं से अवगत होते हुए उनका	• **CG-1:** C-1.1, C-1.3, C-1.4 • **CG-2:** C-2.1, C-2.3 • **CG-3:** C-3.1, C-3.2	• **मेरी समझ से:** समूह चर्चा। • **मिलकर करें मिलान:** 'वर्षा जल संग्रहण' और 'जल-चक्र' की अवधारणाओं का मिलान करेंगे। • **पंक्तियों पर चर्चा-** परिचर्चा • **सोच-विचार के लिए-** पाठ आधारित प्रश्नों पर चर्चा व लेखन। • **शीर्षक-** शीर्षक देना एवं तार्किक विश्लेषण। • **आपकी बात-** परिचर्चा और लेखन। • **सृजन:** जल-चक्र का दृश्य बनाकर उसमें रंग भरेंगे। • **पानी रे पानी-** चित्रों पर चर्चा।

		उजागर करता है।	• **यह भी जानें-** ▪ **औपचारिक-** अपने क्षेत्र में जल आपूर्ति की समस्या का निदान करवाने का अनुरोध करते हुए संबंधित अधिकारी को पत्र लिखेंगे। ▪ **अनौपचारिक-** अपने मित्र को पत्र लिखकर जल संरक्षण के महत्त्व और पानी की बर्बादी रोकने के उपायों के बारे में बताना। • **पुनरावृत्ति-** प्रत्यययुक्त शब्द निर्माण।	भाषिक प्रयोग करने में समर्थ हो सकेंगे। • पाठांतर्गत प्रयुक्त नए शब्दों से परिचित होते हुए उनका प्रयोग कर सकेंगे।	• **CG-4:** C-4.2	• **दैनिक कार्यों में पानी-** जल प्रयोग एवं पूर्ति की जानकारी जुटाना। • **बिन पानी सब सून-** चर्चा एवं लेखन। • **आज की पहेली-** पहेली का उत्तर खोजना। • **सबका पानी (रिपोर्ट):** सभी को पर्याप्त पानी कैसे मिले, इस पर रिपोर्ट तैयार करेंगे। • **खोजबीन के लिए-** गीत और कविताओं का संकलन कर कक्षा में प्रस्तुत करना। • **झरोखे से-** 'पाल के किनारे रखा इतिहास' पठन। • **साझी समझ-** समूह चर्चा
	विश्वेश्वरैया (पढ़ने के लिए)	कुछ पाठ पढ़ने के लिए दिए गए हैं जो कहीं तो मुख्य पाठों के विषय को पोषित करते हैं तो कहीं रचना की विविधता प्रस्तुत कर विद्यार्थी की रूचि का विस्तार करते हैं।				
5.	**नहीं होना बीमार** (कहानी, स्वयं प्रकाश)	प्रस्तुत कहानी विद्यालय जाने से बचने के लिए 'बीमारी का बहाना' बनाने वाले बच्चे की मनोस्थिति और	• **शब्द से जुड़े शब्द-** 'बीमार' शब्द से जुड़े शब्दों का लेखन। • **लेखन के अनोखे तरीके-** साधारण वाक्यों को नए ढंग से लिखना। • **विराम चिह्न:** पहचान और उनका प्रयोग करना।	• अपनी भावनाओं और अनुभवों को मौखिक व लिखित रूप में स्पष्टता से व्यक्त करने में समर्थ हो सकेंगे। • कहानी की चित्रात्मक भाषा शैली और उसमें छिपे व्यंग्य के	• **CG-1:** C-1.1, C-1.2, C-1.3, C-1.4	• **मेरी समझ से:** समूह में चर्चा। • **मिलकर करें मिलान:** शब्दों का सही अर्थों से मिलान। • **पंक्तियों पर चर्चा:** समूह चर्चा। • **सोच-विचार के लिए:** पाठ आधारित प्रश्नों पर चर्चा व लेखन। • **अनुमान और कल्पना:** परिचर्चा।

		उसके परिणामों को दिखाती है। अंत में बच्चा सीखता है कि झूठ और बहाने से स्वयं का ही नुकसान होता है।	• **मुहावरे/लोकोक्ति-** पाठ में आए मुहावरों/लोकोक्तियों के अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग करना। • **लिंग बदलो-** विभिन्न शब्दों के लिंग परिवर्तन करके लिखना। • **अनुच्छेद लेखन-** 'बदलती जीवनशैली और स्वास्थ्य' विषय पर लेखन। • **पत्र लेखन-** औपचारिक व अनौपचारिक। • **पुनरावृत्ति-** संबंधबोधक अव्यय।	प्रभाव को समझने में समर्थ हो सकेंगे। • बहानों और झूठ के मनोवैज्ञानिक परिणामों का स्वयं के अनुभवों से मिलान कर सकेंगे। • पाठांतर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिंदुओं से अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ हो सकेंगे। • पाठांतर्गत प्रयुक्त नए शब्दों से परिचित होते हुए उनका प्रयोग कर सकेंगे।	• **CG-2:** C-2.1, C-2.3 • **CG-3:** C-3.1, C-3.2 • **CG-4:** C-4.2 • **CG-5:** C-5.3	• **कहानी की रचना:** विशेष बिंदु और कहानी के उदाहरण। • **समस्या और समाधान:** समूह चर्चा। • **खोजबीन:** कहानी की घटना विशेष पर आधारित वाक्य निर्माण व शब्द वर्गीकरण। • **शीर्षक:** चयन व तर्क देना। • **अभिनय:** कहानी के पात्रों का अभिनय करेंगे। • **चेहरों पर मुस्कान,मुँह में पानी:** रेखांकन गतिविधि। • **कैसे होगी गली:** चित्र निर्माण। • **आपकी बात:** विचार प्रस्तुति। • **बहाने:** बहानों से जुड़े निजी अनुभव साझा करेंगे। • **अनुमान:** चर्चा करना। • **घर का सामान:** सूची निर्माण। • **खानपान और आप:** परिचर्चा। • **आज की पहेली:** पहेली का उत्तर खोजना।
6.	**गिरिधर कविराय की कुंडलिया** (कविता, गिरिधर कविराय)	प्रस्तुत काव्य नीति-काव्य है, जिसमें व्यावहारिक बुद्धिमत्ता और विवेकपूर्ण सोच का महत्त्व बताया गया है। यह बिना सोचे कार्य करने के दुष्परिणाम तथा	• **शब्दों से जुड़े शब्द-** कुंडलियों में प्रयुक्त पर्यायवाची शब्दों को ढूँढकर लिखना। (जैसे-'चित्त','मन') • **कविता की रचना-** कुंडलियों की विशेषताओं की सूची बनाना। • **काल से जुड़े शब्द-** विभिन्न काल के अनुसार वाक्य निर्माण। • **वचन बदलें-** एकवचन से बहुवचन में परिवर्तन करके लिखना। • **अनुच्छेद लेखन-** "बिना विचारे कार्य करने के नुकसान" विषय पर अपने	• नीतिपरक कुंडलियों के माध्यम से व्यावहारिक बुद्धिमत्ता और भविष्योन्मुखी सोच विकसित कर सकेंगे। • 'बीती' 'आगे' और 'आज' जैसे शब्दों के माध्यम से काल के भेदों की पहचान करने में समर्थ होंगे।	• **CG-1:** C-1.1, C-1.3 • **CG-2:** C-2.1, C-2.2	• **मेरी समझ से:** समूह चर्चा। • **पंक्तियों पर चर्चा:** भावार्थ समूह में साझा करना। • **मिलकर करें मिलान:** काव्य पंक्तियों को उनके सही भावार्थ से मिलान करेंगे। • **सोच-विचार के लिए:** पाठ आधारित प्रश्न में शब्दों के अर्थ लिखना। • **अनुमान और कल्पना से:** कहानी बनाना। • **आपकी बात:** तर्क/विचार प्रस्तुति। • **हँसी:** हास्य आधारित स्थिति विश्लेषण।

		अतीत को भूलकर भविष्य सुधारने की सीख देता है।	अनुभव या उदाहरणों सहित अनुच्छेद लिखना। **नोट -** **1.** विद्यार्थियों की रुचि, अवसर, आवश्यकता एवं अधिगम के आधार पर समसामयिक विषयों पर अनुच्छेद लेखन का अभ्यास। **2.** विद्यार्थियों की रुचि, अवसर, आवश्यकता एवं अधिगम के आधार पर समसामयिक विषयों पर औपचारिक एवं अनौपचारिक पत्र लेखन का अभ्यास।	• कुंडलिया छंद की संरचनात्मक विशेषताओं और उसके गायन की शैली को समझ सकेंगे। • अतीत की असफलताओं को भूलकर वर्तमान को सँवारने हेतु तार्किक चिंतन कर सकेंगे। • पाठांतर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिंदुओं से अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ हो सकेंगे। • पाठांतर्गत प्रयुक्त नए शब्दों से परिचित होते हुए उनका प्रयोग करने में समर्थ होंगे।	• **CG-5:** C-5.2, C-5.3	• **सोच-समझकर**: साइबर सुरक्षा से जुड़े विषयों पर समूह चर्चा। • **आज की पहेली:** पहेली के उत्तर खोजना। • **खोजबीन के लिए:** 'बिना विचारे करो न काम' कहानी को देखना/ सुनना।

आंतरिक मूल्यांकन

नोट:-

- **पाठ्यचर्या लक्ष्य और उनकी दक्षताओं का विवरण परिशिष्ट 1 में दिया गया है।**
- **पाठ-विशेष में किसी पाठ्यचर्या लक्ष्य और दक्षता को प्राप्त करने के लिए शिक्षक स्वयं उपयुक्त गतिविधियों का निर्माण करने के लिए स्वतंत्र हैं।**
- **पाठ्यचर्या लक्ष्य CG-1 की दक्षता C-1.3 को प्राप्त करने के लिए सभी पाठों के दौरान विद्यार्थियों को प्रश्न पूछने के लिए प्रेरित करें।**
- **उपर्युक्त पाठ्यक्रम 05 सितंबर, 2026 तक पूरा कर लिया जाए।**
- **मध्यावधि परीक्षा हेतु पुनरावृत्ति करवाई जाए।**
- **दिया गया पाठ्यक्रम मूल्यांकन हेतु है।**

पुनरावृत्ति

मध्यावधि परीक्षा

7.	**वर्षा-बहार** (कविता, मुकुटधर पांडेय)	प्रस्तुत कविता में वर्षा ऋतु के दौरान उपस्थित दृश्यों के साथ-साथ जीवों पर पड़ने वाले प्रभाव का मनमोहक वर्णन किया गया है।	• **आपकी रचनाएँ-** किसी दृश्य का वर्णन करना और उस पर आधारित छोटी कहानी लिखना। • **शब्द से जुड़े शब्द-** तालिका में ऋतुओं से संबंधित शब्दों का लेखन। • **कविता का सौंदर्य-** प्रकृति जुड़े शब्दों के समानार्थी शब्द लेखन। • **विशेषण-** विशेषण भेद व विशेष्य। • **सृजन-** 'आमोद' से जुड़े विभिन्न दृश्यों का एक-एक अनुच्छेद में वर्णन। • **पुनरावृत्ति-** सर्वनाम व भेद अभ्यास।	• भावानुकूल सस्वर वाचन कर सकेंगे। • वर्षा-ऋतु के सौंदर्य को आत्मसात करने में समर्थ होंगे। • कविता का सार अपने शब्दों में लिख सकेंगे। • पाठांतर्गत प्रयुक्त नए शब्दों से परिचित होते हुए उनका प्रयोग कर सकेंगे। • पाठांतर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिंदुओं से अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ हो सकेंगे।	• **CG-1:** C-1.1, C-1.2, C-1.3, C-1.4 • **CG-2:** C-2.1, C-2.2 • **CG-3:** C-3.1 • **CG-4:** C-4.1, C-4.2 • **CG-5:** C-5.1	• **मेरी समझ से -** समूह में चर्चा, • **पंक्तियों पर चर्चा-** समूह में चर्चा • **मिलकर करें मिलान-** कविता की पंक्तियों का भावार्थ से मिलान। • **सोच-विचार के लिए-** कविता पर आधारित प्रश्नों के उत्तर का लेखन। • **अनुमान और कल्पना से-** समूह चर्चा। • **कविता की रचना-** कविता की विशेषताओं की सूची बनाना। • **पाठ से आगे-** समूह में चर्चा और लेखन। • **साक्षात्कार-** किसान से साक्षात्कार, समूह में अभिनय। • **वर्षा के दृश्य-** दृश्य वर्णन। • **वर्षा में ध्वनियाँ-** ध्वनि सुनकर पहचान करना। • **वर्षा से जुड़े गीत-** लोकगीत संकलन। • **आज की पहेली-** पहेली के उत्तर खोजना। • **झरोखे से-** 'ग्रीष्म' कविता का पठन। • **साझी-समझ-** समूह में विमर्श करना। • **खोजबीन के लिए-** ऋतु व प्रकृति से जुड़े वीडियो देखेंगे।
8.	**बिरजू महाराज से साक्षात्कार** (साक्षात्कार, विद्यार्थियों द्वारा)	विद्यार्थियों द्वारा लिए गए इस साक्षात्कार में प्रसिद्ध कथक नर्तक बिरजू महाराज ने अपने जीवन	• **शीर्षक-** अन्य शीर्षक का अनुमान और कारण लेखन। • **शब्दों की बात-** उपसर्ग और प्रत्यय। • **शब्दों का प्रभाव-** विशेष प्रभाव उत्पन्न करने वाले शब्दों की पहचान व वाक्य लेखन।	• 'साक्षात्कार' शब्द से परिचित होते हुए इस विधा के बारे में जान सकेंगे। • बिरजू महाराज के जीवन को अपने शब्दों में लिख सकने में समर्थ हो सकेंगे।	• **CG-1:** C-1.1, C-1.2, C-1.3, C-1.5	• **मेरी समझ से-** समूह में चर्चा • **मिलकर करें मिलान** - पाठ के शब्दों का सही संदर्भों और अवधारणाओं से मिलान। • **पंक्तियों पर चर्चा** - समूह में चर्चा, • **सोच-विचार के लिए** - पाठ पर आधारित प्रश्नों के उत्तर का लेखन

		और कथक से संबंधित प्रश्नों के रोचक उत्तर दिए हैं।	• **क्रियाविशेषण-**क्रिया विशेषण अव्ययों का प्रयोग कर वाक्य लेखन। • **साक्षात्कार की रचना-** तैयारियाँ, प्रश्नों का निर्माण, किसी आम व्यक्ति का साक्षात्कार। • **समास-**द्वंद्व समास, द्विगु समास एवं कर्मधारय समास । • **पत्र लेखन-** ▪ **औपचारिक-** विद्यालय के वार्षिकोत्सव में किसी प्रसिद्ध कलाकार को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित करने हेतु निमंत्रण-पत्र। ▪ **अनौपचारिक-** आपके विद्यालय के वार्षिकोत्सव में आपके प्रिय कलाकार मुख्य अतिथि के रूप में आए। उनके आगमन और कार्यक्रम का अनुभव साझा करते हुए मित्र को पत्र लिखिए । • **पुनरावृत्ति-**समुच्चयबोधक अव्यय।	• शास्त्रीय नृत्य के सौंदर्य को रेखांकित कर सकेंगे। • शास्त्रीय नृत्य और लोक नृत्य के अंतर का विश्लेषण कर सकने में समर्थ हो सकेंगे। • सस्वर आदर्श वाचन में सक्षम हो सकेंगे। • पाठांतर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिंदुओं से अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करेंगे। • पाठांतर्गत प्रयुक्त नए शब्दों से परिचित होते हुए उनका प्रयोग कर सकेंगे।	• **CG-2:** C-2.1 • **CG-3:** C-3.2 • **CG-4**: C-4.2 • **CG-5:** C-5.3	• **कला का संसार** - कथक की प्रस्तुतियों में परिवर्तन; लोकनृत्य और शास्त्रीय नृत्य में अंतर; कक्षा में लोकगीत की प्रस्तुति। • **सृजन** - कथक नृत्यकला की जानकारी, विज्ञापन लेखन, दृष्टिबाधित दर्शक के लिए व्यवस्था। • **आज की पहेली-** पहेली के उत्तर खोजना। • **झरोखे से-** ग्रीष्म का अंश पढ़ेंगे। • **साझी समझ-** परिचर्चा • **खोजबीन के लिए-** अलग विषयों पर कविता देखेंगे/ सुनेंगे।
	नृत्यांगना सुधा चंद्रन (पढ़ने के लिए)	कुछ पाठ पढ़ने के लिए दिए गए हैं जो कहीं तो मुख्य पाठों के विषय को पोषित करते हैं तो कहीं रचना की				

		विविधता प्रस्तुत कर विद्यार्थी की रूचि का विस्तार करते हैं।				
9.	**चिड़िया** (कविता, आरसी प्रसाद सिंह)	पक्षियों के जीवन और व्यवहार के माध्यम से मानवीय सीमाओं की ओर संकेत किया गया है, तथा मनुष्य को पक्षियों के निश्छल जीवन से सीखने की प्रेरणा दी गई है।	• **भाषा की बात-** क्रिया शब्दों को पहचानना और भेद अनुसार वर्गीकरण। • **शब्द एक अर्थ अनेक-** शब्दों के विभिन्न अर्थों को समझना और उनका स्वतंत्र वाक्यों में प्रयोग करके लिखना। • **रचनात्मकता-** पर्यावरण संरक्षण पर प्रभावी 'पोस्टर' तैयार करना और विभिन्न पक्षियों के चित्रों का उपयोग कर एक 'कोलाज' बनाना। • **पत्र लेखन-** ▪ **औपचारिक-**वन विभाग या स्थानीय प्रशासन को पत्र लिखकर अपने क्षेत्र में पक्षियों के लिए दाने-पानी की व्यवस्था करने का अनुरोध करना। ▪ **अनौपचारिक-** पिंजरे में बंद पक्षी की व्यथा बताते हुए अपने मित्र को पत्र लिखना और उसे स्वतंत्रता के मूल्य के बारे में समझाना। **नोट -** **1.** विद्यार्थियों की रुचि, अवसर, आवश्यकता एवं अधिगम के आधार पर	• भावानुकूल सस्वर वाचन कर सकेंगे। • पक्षियों के जीवन की विशेषताओं को रेखांकित कर सकने में समर्थ होंगे। • पक्षियों के निश्छल जीवन और मानवीय जीवन के अंतर का विश्लेषण कर सकेंगे। • कविता का सार अपने शब्दों में लिखने में सक्षम होंगे। • पाठांतर्गत प्रयुक्त नए शब्दों से परिचित होते हुए उनका प्रयोग करने में समर्थ होंगे। • पाठांतर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिंदुओं से अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ हो सकेंगे।	• **CG-1:** C-1.1, C-1.3, C-1.4, C-1.5 • **CG-2:** C-2.1, C-2.3 • **CG-4:** C-4.1, C-4.2 • **CG-5:** C-5.1, C-5.2, C-5.3	• **मेरी समझ से** - समूह चर्चा। • **मिलकर करें मिलान-** कविता की पंक्तियों/शब्दों का भावार्थ से मिलान। • **पंक्तियों पर चर्चा** - समूह में चर्चा। • **सोच-विचार के लिए-** कविता पर आधारित प्रश्नों के उत्तर का लेखन • **अनुमान और कल्पना से** - समूह में मिलकर संवाद। • **कविता की रचना-** कविता को आगे बढाइए। • **भावों की बात-** दृश्य को भावों से जोड़ना। • **आज की पहेली-** पहेली के हल खोजेंगे। • **चित्र की बात-** परिचर्चा। • **निर्भय विचरण-** चर्चा। • **साथ-साथ-** समूह चर्चा। • **हमारा पर्यावरण** - समूह चर्चा और लेखन। • **परियोजना कार्य-** 'पर्यावरण बचाओ' विषय पर एक लघु नुक्कड़ नाटक की पटकथा तैयार करेंगे और उसका कक्षा में मंचन करेंगे। • **झरोखे से-** 'पक्षियों की प्रवास यात्राएँ' पढ़ेंगे। • **साझी समझ-** परिचर्चा। • **खोजबीन के लिए-** जीव-जगत संबंधी वीडियो सामग्री देखेंगे।

			समसामयिक विषयों पर अनुच्छेद लेखन का अभ्यास। **2.** विद्यार्थियों की रुचि, अवसर, आवश्यकता एवं अधिगम के आधार पर समसामयिक विषयों पर औपचारिक एवं अनौपचारिक पत्र लेखन का अभ्यास।			
10.	**मीरा के पद** (पद, मीरा)	इन पदों में मीरा ने श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप तथा सावन में श्रीकृष्ण की प्रतीक्षा का मनमोहक वर्णन किया गया है।	• **कविता की रचना** - पदों की काव्यगत विशेषताओं की सूची बनाना और समूह में साझा करना। • **शब्दों के रूप** - अलग-अलग रूप में लिखने और बोलने वाले शब्द। • **शब्द से जुड़े शब्द** - श्रीकृष्ण से संबंधित विभिन्न शब्दों और पर्यायों का लेखन करना। • **कविता का सौंदर्य** - एक ही वर्ण की आवृत्ति से पंक्ति का अधिक सुंदर हो जाना (अनुप्रास अलंकार प्रयोग)। • **रूप बदलकर**- मीरा के पदों के भावों को समझकर उन्हें गद्य (अनुच्छेद) के रूप में लिखना। • **मुहावरे**- मुहावरों के अर्थ समझना और उनका स्वतंत्र वाक्यों में प्रयोग करना। • **चित्र करते हैं बातें** - पाठ में दिए गए चित्रों के आधार पर अपनी कल्पना से अनुच्छेद लिखना।	• भावानुकूल सस्वर वाचन में सक्षम होंगे। • भक्तिकाल की स्वर्णिम काव्यधारा से परिचित होंगे। • श्रीकृष्ण के मनमोहक स्वरूप तथा मीरा के ईश्वरीय प्रेम को रेखांकित करेंगे। • कविता का सार अपने शब्दों में लिखेंगे। • पाठांतर्गत प्रयुक्त नये शब्दों से परिचित होते हुए उनका प्रयोग करेंगे। • पाठांतर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिंदुओं से अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ होंगे।	• **CG-1:** C-1.1, C-1.3, C-1.4, C-1.5 • **CG-2:** C-2.1, C-2.2 • **CG-3**: C-3.2 • **CG-4**: C-4.1, C-4.2 • **CG-5**: C-5.1, C-5.3	• **मेरी समझ से** - समूह में चर्चा • **मिलकर करें मिलान**- पाठ के शब्दों का सही संदर्भों और अवधारणाओं से मिलान। • **पंक्तियों पर चर्चा** - समूह में चर्चा। • **सोच-विचार के लिए-** कविता आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखना। • **अनुमान और कल्पना से** - मीरा और श्रीकृष्ण के बीच के भक्तिपूर्ण संबंधों पर संवाद। • **पंक्ति से पंक्ति** - मिलती-जुलती पंक्तियों का मिलान। • **सबकी प्रस्तुति** - पद का अलग-अलग तरीके से समूह में प्रस्तुति। • **आपकी बात-** आनुभव चर्चा। • **विशेषताएँ-** परिचर्चा। • **मधुर ध्वनियाँ** - पहेलियों के साथ सही वाद्ययंत्र का मिलान। • **सावन से जुड़े गीत (परियोजना)** - समूह में सावन से जुड़े गीतों की खोजबीन और संकलन। • **खोजबीन के लिए-** इंटरनेट या पुस्तकालय से मीराबाई के अन्य प्रसिद्ध पदों को ढूँढकर पढ़ेंगे। • **आज की पहेली-** पहेली हल करेंगे।

	स्वामिभक्त सुमुख (पढ़ने के लिए)	कुछ पाठ पढ़ने के लिए दिए गए हैं जो कहीं तो मुख्य पाठों के विषय को पोषित करते हैं तो कहीं रचना की विविधता प्रस्तुत कर विद्यार्थी की रूचि का विस्तार करते हैं।				
	विजयी विश्व तिरंगा प्यारा (पढ़ने के लिए)	कुछ पाठ पढ़ने के लिए दिए गए हैं जो कहीं तो मुख्य पाठों के विषय को पोषित करते हैं तो कहीं रचना की विविधता प्रस्तुत कर विद्यार्थी की रूचि का विस्तार करते हैं।				
	शब्दकोश					शब्दकोश के प्रयोग को सिखाएँ - • क्रम • व्याकरणिक जानकारी (शब्द-संक्षेप का अर्थ) • संदर्भगत अर्थ
	'ब्रेल भारती' हिंदी वर्ण व गिनती					'ब्रेल भारती' से विद्यार्थियों का परिचय करवाएँ।

आंतरिक मूल्यांकन

नोट:-

- **पाठ्यचर्या लक्ष्य और उनकी दक्षताओं का विवरण परिशिष्ट 1 में दिया गया है।**
- **पाठ-विशेष में किसी पाठ्यचर्या लक्ष्य और दक्षता को प्राप्त करने के लिए शिक्षक स्वयं उपयुक्त गतिविधियों का निर्माण करने के लिए स्वतंत्र हैं।**
- **पाठ्यचर्या लक्ष्य CG-1 की दक्षता C-1.3 को प्राप्त करने के लिए सभी पाठों के दौरान विद्यार्थियों को प्रश्न पूछने के लिए प्रेरित करें।**
- **समस्त पाठ्यक्रम 30 जनवरी, 2027 तक पूरा कर लिया जाए।**
- **वार्षिक परीक्षा में समस्त पाठ्यक्रम से प्रश्न पूछे जाएँगे।**
- **दिया गया पाठ्यक्रम मूल्यांकन हेतु है।**

समस्त पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति

वार्षिक परीक्षा

परिशिष्ट 1

पाठ्यचर्या लक्ष्य एवं दक्षताएँ	
CG-1: वर्णन, विश्लेषण और प्रतिक्रिया के लिए भाषा कौशल का उपयोग करते हुए प्रभावी संचार की क्षमता विकसित करते हैं।	C-1.1 पाठ (समाचार लेख, रिपोर्ट और संपादकीय) को ध्यानपूर्वक सुनकर या पढ़कर मुख्य बिंदुओं की पहचान करते हैं और उनका सारांश प्रस्तुत करते हैं।
	C-1.2 विभिन्न प्रकार के साक्षात्कारों (संरचित और असंरचित) को सुनते हैं, उनकी योजना बनाते हैं और उनका संचालन करते हैं।
	C-1.3 सामाजिक अनुभवों के बारे में उपयुक्त भाषा का प्रयोग करते हुए गहन प्रश्न (संदर्भ के अनुसार संवेदनशीलता के साथ खुले/बंद प्रश्न, औपचारिक/अनौपचारिक प्रश्न) पूछते हैं।
	C-1.4 विभिन्न श्रोताओं और उद्देश्यों के लिए उपयुक्त शैली और स्तर का प्रयोग करते हुए विभिन्न प्रकार के पत्र, निबंध और रिपोर्ट लिखते हैं।
	C-1.5 विभिन्न श्रोताओं और उद्देश्यों के लिए ऑडियो, दृश्य या दोनों प्रकार की सामग्री तैयार करते हैं।
CG-2: विभिन्न प्रकार के साहित्यिक उपकरणों का अन्वेषण करके भाषा और उससे संबंधित साहित्यिक एवं सांस्कृतिक विरासत की सराहना करते हैं।	C-2.1 विभिन्न संस्कृतियों और कालखंडों से संबंधित साहित्य के विभिन्न रूपों (गद्य, पद्य और नाटक) और लेखन शैलियों (वर्णनात्मक, व्याख्यात्मक और प्रेरक) को पहचानते और सराहते हैं।
	C-2.2 विभिन्न प्रकार के साहित्य को पढ़कर साहित्यिक उपकरणों (उपमा, रूपक, मानवीकरण, अतिशयोक्ति, अनुप्रास (अलंकार), मुहावरे, कहावतें और पहेलियाँ) को पहचानते हैं और उनका लेखन में प्रयोग करते हैं।
	C-2.3 सामाजिक और सांस्कृतिक परिवेश के विभिन्न पहलुओं पर अपने विचारों और आलोचनाओं को भाषण और लेखन के माध्यम से व्यक्त करते हैं।

CG-3: बुनियादी भाषाई पहलुओं (शब्द और वाक्य संरचना) को पहचानने और मौखिक और लिखित अभिव्यक्ति में उनका उपयोग करने की क्षमता विकसित करते हैं।	C-3.1 विभिन्न प्रकार के साहित्य को पढ़ते समय वाक्य संरचना, विराम चिह्न, काल, लिंग और शब्द भेद जैसे बुनियादी भाषाई पहलुओं (नियमों) की व्याख्या और समझ रखते हैं, और लेखन में उनका प्रयोग करते हैं।
	C-3.2 उचित शैली और भाषा का प्रयोग करते हुए गद्य, कविता और नाटक लिखते हैं।
CG-4: समीक्षा लिखने की क्षमता विकसित करता है और संदर्भ खोजने के लिए पुस्तकालय का उपयोग करते हैं।	C-4.1 विभिन्न विधाओं (कथा और कथेतर) की पुस्तकों को पढ़ते हैं, उन पर प्रतिक्रिया देते हैं और उनकी आलोचनात्मक समीक्षा करते हैं।
	C-4.2 परियोजनाओं और अन्य गतिविधियों में उपयोग के लिए संदर्भ खोजने हेतु पुस्तकों और अन्य मीडिया संसाधनों का प्रभावी ढंग से उपयोग करते हैं।
CG-5: किसी भाषा की विशिष्ट विशेषताओं, जैसे कि वर्णमाला और लिपि, ध्वनियाँ, तुकबंदी, शब्द-खेल, भाषा के लिए अद्वितीय अन्य खेलों के प्रति सराहना विकसित करते हैं।	C-5.1 भाषा की ध्वन्यात्मकता और लिपि, स्वरों और व्यंजनों की संख्या, और उनके परस्पर क्रिया और उपयोग को समझते हैं।
	C-5.2 भाषा में शब्दों के साथ खेले जाने वाले शब्दों को रोचक और मनोरंजक बनाने के लिए, तुकबंदी, अनुप्रास और अन्य शब्द-खेलों का उपयोग करते हैं।
	C-5.3 भाषा में प्रचलित कुछ प्रमुख शब्द-खेलों से परिचित होते हैं (जैसे कि उल्टा सीधा एक समान (पैलिनड्रोम्स) जैसे- डालडा, आद्याक्षर विपर्यय (स्पूनिरिज्म) अर्थात दो या दो से अधिक शब्दों की शुरूआती ध्वनियाँ आपस में बदल जाती हैं जिससे एक नया बेतुका अथवा मज़ेदार शब्द या वाक्यांश बन जाता है उदाहरण: दाल-चावल, चाल-दावल, बिना दिए गए अक्षरों या ध्वनियों वाले वाक्य, पहेलियाँ, चुटकुले, अंताक्षरी, वर्ण-विपर्यय (एनाग्राम), क्रॉसवर्ड पहेलियाँ आदि।